ESTD. 2001

STEPPING STONE SCHOOL (HIGH)

Class-IV

Subject- 2nd language Hindi

Date- 01.07.2020

Worksheet no.-28 Time limit 30 minute

Topic- सतरंगा इन्द्रधनुष पाठ-३

Book Name- शिखा हिंदी पाठमाला भाग- 4

बच्चों, आप जान गए होंगे की आप लोगो को हिंदी शिखा पाठमाला के लिए सिंगल लाइन कॉपी बनानी है।

कॉपी के प्रथम पृष्ठ पर विषय सूची (content) होना चाहिए।

विषय सूची का नमूना साथ दिया जा रहा है।

प्रत्येक कार्य अनुसार विषय सूची भी लिखेंगे।

अब, आप लोग पाठ ३ सतरंगा इन्द्रधनुष को ध्यान से पढ़ें।

पाठ का विश्लेषण आपलोगों को दिया जा रहा है उसे ध्यान से पढ़ें और समझें।

पुनः पाठ में रेखांकित वर्तनी को कॉपी में लिखें और अभ्यास करें।

पाठ में दिए गए शब्दार्थ को कॉपी में लिखकर याद कीजिए।

पाठ शुरू करने से पहले आप पृष्ठ के सबसे ऊपर पाठ का नाम देने के बाद एक सुंदर सा इन्द्रधनुष बनाएगें और सात रंग अच्छे से भरेंगे।

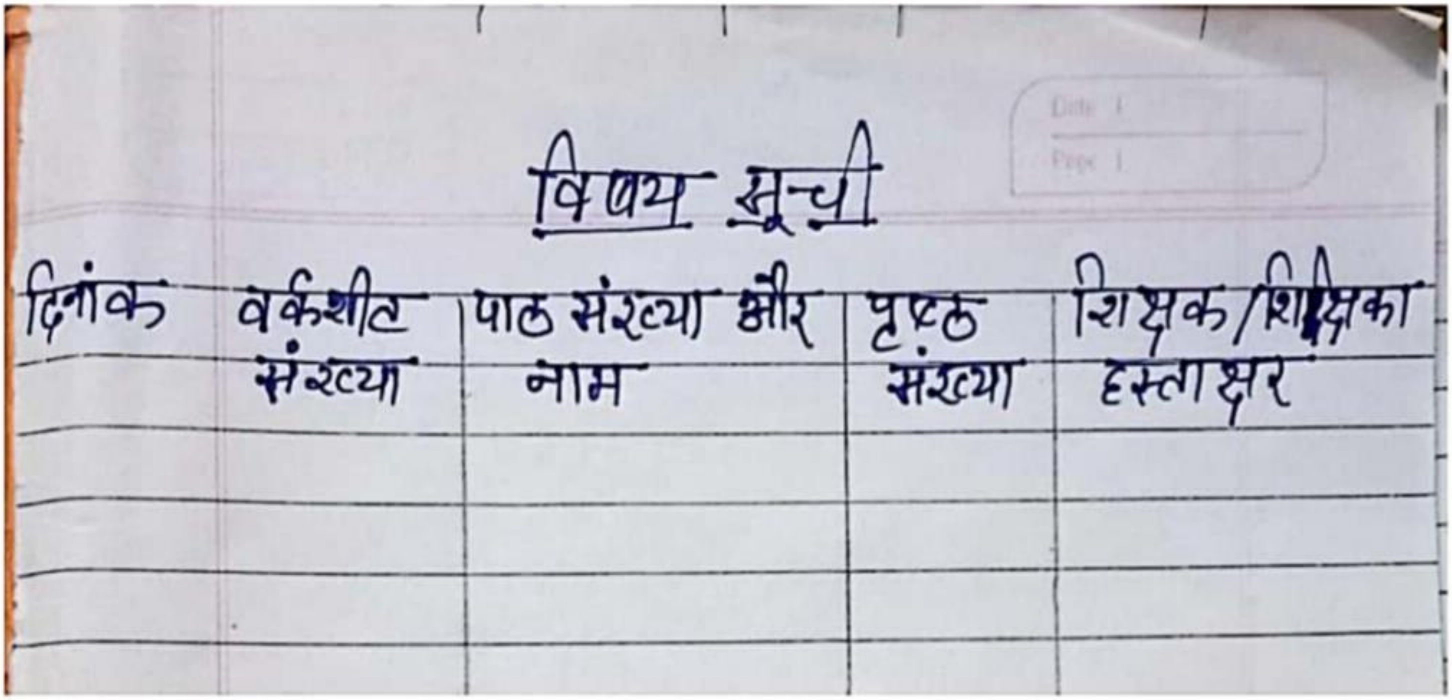

विषय सूची

दिनांक	वर्कशीट संख्या	पाठ संख्या और नाम	पृष्ठ संख्या	शिक्षक/शिक्षिका हस्ताक्षर

3 सतरंगा इंद्रधनुष

रंग प्रकृति की अनूठी देन है। हमारे चारों ओर प्रकृति ने चित्रकार की भाँति निराले रंग बिखेरकर सृष्टि को दर्शनीय बनाया है। फूलों में, पशु-पक्षियों में, आकाश एवं पानी में, मिट्टी आदि वस्तुओं में भी रंगों की विभिन्नता दिखाई देती है। इनसे भी अलग उसने इंद्रधनुष को एक साथ सात प्यारे रंगों की तूलिका चलाकर रंग दिया है।

बरखा आती है तो आकाश बादलों से ढक जाता है। बादलों की गरज़, बिजली की चमक और धीमी-धीमी बूँदों का गिरना मन को गुदगुदाने वाला होता है।

धीरे-धीरे पड़ती बूँदें झमाझम बरसात में बदलती हैं, चारों ओर जल ही जल दिखता है। पेड़-पौधे, गली, सड़क सभी नहाए हुए ताज़गी से भरपूर नज़र आते हैं।

बरसात खत्म होते ही मौसम खुला-सा, धुला-सा हो जाता है।

पूरब में रंग-बिरंगी रेखाएँ आकाश को सजाने आ जाती हैं। ऐसा लगता है मानो चित्रकार ने कई सारी तूलिकाओं में रंग भरकर आकाश की चूनर पर आधे-आधे गोले चित्रित कर दिए हैं। बच्चे, बड़े-बूढ़े सभी इन सुंदर रंग-बिरंगे अर्धवृत्ताकार को देखने को आतुर हो उठते हैं।

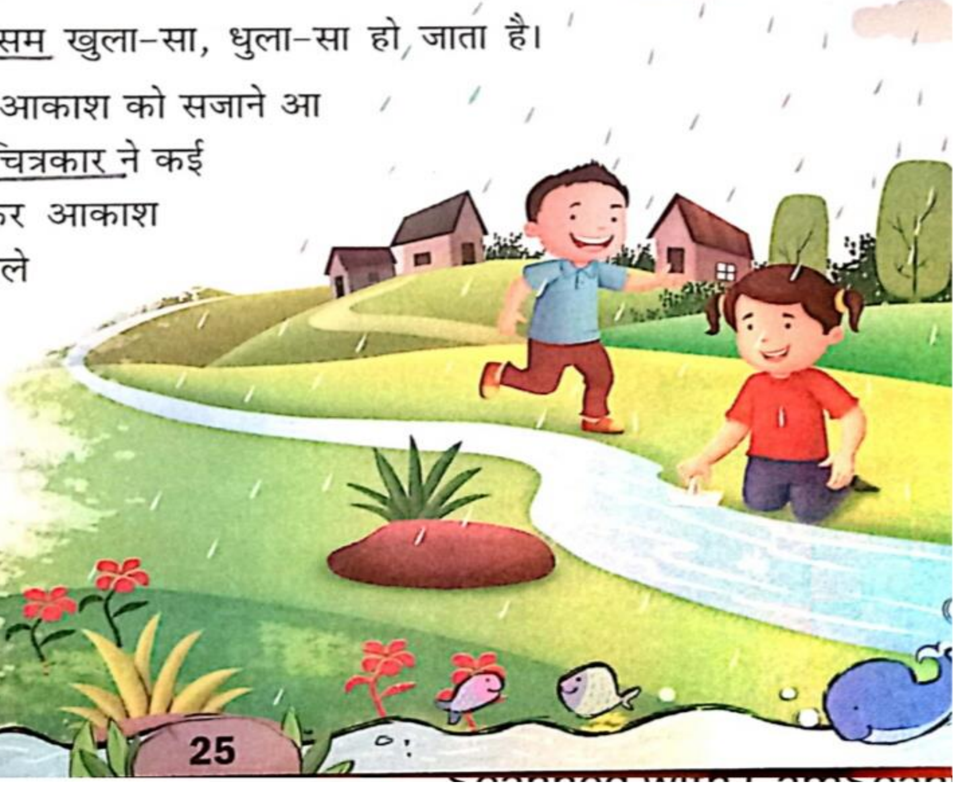

बच्चो यही तो है इंद्रधनुष! पता नहीं 'कब और क्यों' इसे इंद्रधनुष कहा गया होगा या 'किसी का धनुष' समझ लिया गया होगा। जो भी हो, यह तो रंग-रंगीला प्यारा-सा प्राकृतिक नज़ारा ही है।

इंद्रधनुष का निर्माण वर्षा काल में ही होता है। इसके बनने का कारण होता है—सूर्य की किरणें। जब वर्षा काल में हवा में व्याप्त पानी की नन्ही-नन्ही बूँदों पर सूर्य की किरणें प्रकाश डालती हैं तो यह प्रकाश-पुंज रंग भरकर चमक उठता है।

पुराने लोग ऐसा कहते हैं कि यदि पूरब में इंद्रधनुष दिखाई पड़े तो सायं या सवेरे पानी बरसना तय है।

आओ जानें इंद्रधनुष में कितने और कौन-कौन से रंग होते हैं। सात रंगों में सजता है यह इंद्रधनुष—बैंगनी, नीला, आसमानी, हरा, पीला, नारंगी, लाल।

संपूर्ण प्रकृति और मानव का जीवन सभी को प्रभावित करने वाले ये सातों रंग एकता, समता, त्याग, प्रेम, सौहार्द, शांति, ममता के भावों से भरे हैं।

इंद्रधनुषी रंगों के भावों को यदि हम अपने जीवन से जोड़ लें तो जीवन भी सुखमय और आदर्श भरा हो जाए क्योंकि भावों और रंगों से रहित जीवन अपूर्ण है, निरुद्देश्य है।

रंग और भावों का सदुप्रयोग और समुचित प्रयोग ही हमारी जीवन-शैली का आदर्श रूप बनकर हमें सम्मान दिलाता है।

बच्चो, वर्षा का यह इंद्रधनुष हमें क्या-क्या सिखा गया, कितने सुंदर रंग दिखा गया, अब तुम जान गए हो।

शब्दार्थ (Word - Meaning)

बरखा – बारिश, वर्षा
चित्रित – चित्र बनाया हुआ
आतुर – व्याकुल
प्राकृतिक – प्रकृति का, कुदरती
व्याप्त – फैला हुआ, समाहित
रहित – बिना
सद्प्रयोग – अच्छा प्रयोग
समुचित – सब प्रकार से ठीक
सम्मान – इज़्ज़त, मान
तूलिका – ब्रुश (रंग करनेवाले)
वृत्ताकार – गोलाकार
रंगीला – रंगों भरा
नज़ारा – दृश्य
प्रकाश-पुंज – रोशनी का समूह (पुंज)
निरुद्देश्य – बिना लक्ष्य के
जीवन-शैली – जीवन जीने का तरीका
अर्धगोलाकार – आधे गोले का आकार

सारांश

बच्चों, जैसे कि नाम से ही पता चल रहा है कि इस पाठ में इन्द्रधनुष के विषय में जानकारी दी गई है। जब वर्षा होती है तब चारों तरफ़ जल ही जल दिखाई देता है सारा वातावरण ताज़गी में नहाया हुआ लगता है। बारिश के समाप्त होते ही सबकुछ साफ़-सुथरा और धुला हुआ लगता है। यही वह समय है जब आकाश में सात रंगों वाली अर्ध गोलाकार पट्टी दिखाई देती है। इसे ही हम इन्द्रधनुष कहते हैं। जब सूर्य की किरणें छोटे छोटे पानी के बूंदों पर पड़ती है तब बनता है इन्द्रधनुष। हम सब जानते हैं कि इन्द्रधनुष सात रंगों से बनता है।

हमारी प्रकृति और हमपर अपना प्रभाव छोड़ने वाले ये सात रंग एकता, समानता, त्याग, प्रेम, दया, शांति और ममता के भावों से भरे होते हैं। इस तरह इन्द्रधनुष के रंगों के भावों को यदि हम अपने जीवन में उतार लें तो हमारा जीवन सुखमय और आदर्श भरा हो जाएगा।